भजन

तर्ज–पिया मिलन की आस रे

पिया मिलन की आस रे
मोहे पिया मिलन की आस रे

1–उड़ी जो नींद अन्दर की,पड़त न क्यों ही चौन
प्यारी पिऊ के दरश को, कब देखूं मुख नैन
उनके दरशन बिन ना निकले, तन से बैरन सांस रे

2–पिया बिन कछु न भावहीं,जानो कब सुनो पिया बैन
जोलों पिऊ मुझे ना मिले, तोलों तलफत है दिन रैन
बिना मिले अबतो प्रीतम के,बुझे ना रूह की प्यास रे

3––आशिक प्यारी पिउ की, कोई प्रेम कहो विरहिन
ताए कोई दरदन कहो, ए लछन सोहागिन
देह भरोसा ना करे, जिन्हें पिया मिलन की आस रे